महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

(भा.कृ.अनु.प. - कृषि तकनीकीअनुप्रयोगअनुसंधान संस्थान कानपुर)

चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०)-273165

समाचार – पत्रिका

अंक-05 **मई, 2021**

प्रो. उदय प्रताप सिंह

उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति

गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान

गोरखनाथ, गोरखपुर

संदेश

वर्तमान समय में कृषि उत्पादन लागत को कम करने एवं गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु यह आवश्यक है कि कृषकों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों को पहुँचाया जाए। महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर इन नवीनतम तकनीकीयों को निरंतर कृषकों तक पहँचाने में तत्पर हैं जिससे कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधारा जा सके।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रकाशित मासिक न्यूज लैटर का यह अंक केन्द्र द्वारा किए गए एवं किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ नवीनतम कृषि तकनीकियों का प्रसार गांव-गांव एवं घर-घर पहुँचेगा, जो सभी वर्ग के किसानों के लिए लाभप्रद होगा।

(उदय प्रताप सिंह)

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र
एक नजर में

कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना कृषि एवं संबंधित विषयों की नवीनतम तकनीकों के स्थानांतरण एवं प्रसार द्वारा जनपद के सर्वांगीण विकास हेतु गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के नियंत्रण में गोरक्षपीठाधीश्वर पूजनीय महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा की गई। इस केन्द्र का शिलान्यास 23 अक्टूबर 2016 एवं उद्घाटन 2 मार्च 2019 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी के द्वारा किया गया। यह केंद्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर द्वारा वित्तपोषित है। यह केन्द्र गोरखनाथ की पवित्र धरती पर स्थापित होने की वजह से इस केंद्र का पूरा नाम महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र रखा गया। यह केन्द्र गोरखपुर जनपद से 35 किलोमीटर दूरी पर गोरखपुर – सोनौली मार्ग पर पीपीगंज रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर दूरी पर (अक्षांश 26.929971, देशांतर 83.240244) पीपीगंज – बढ़या चौक मार्ग पर स्थित है। कृषि विज्ञान केन्द्र के पास 20.56 हेक्टेअर का प्रक्षेत्र है जिस पर प्रमुख रुप से गेहूँ, धान, सरसो, चना, तिल, गन्ना, अरहर इत्यादि फसलों का बीज उत्पादन किया जाता हैं।

महाययोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर द्वारा मई, 2021 में किये गये कार्य

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम

फसल/उद्यम का शीर्षक	प्रशिक्षण की सं.	लाभार्थी संख्या
क) कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण	01	30

2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम का शीर्षक	क्षेत्रफल हे०	लाभार्थी संख्या
क) धान की प्रजाति- डी.आर.आर.-धान 50 का प्रदर्शन	50	300
ख) पोषण वाटिका	0.5	20
ग) हरे चारे के रूप में सोरघम (UPMC 503 Multi cut)का प्रदर्शन	04	30

3. प्रक्षेत्र परीक्षण

शीर्षक	संख्या लाभार्थी
क) भैस में दुग्ध उत्पादन में बृद्धि में बाई पास प्रोटीन फीड का मुल्यांकन	05

4. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
क) वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण	29	38
ख) कृषकों का कृषि विज्ञान केन्द्र पर भ्रमण	97	97
ग) फोन पर सलाह	77	-
घ) समाचार पत्र प्रकाशन	18	सामूहिक
ङ) अन्य कार्यक्रम	01	300

5. कृषक चयन

गतिविधियाँ	शीर्षक	क्षेत्रफल हे०	लाभार्थी
क) **अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन**	उच्च उत्पादक प्रजाति (सांभा सब-1) का कृषक प्रक्षेत्र पर प्रदर्शन	10.00	25
	पशुओ के लिये हरे चारे के रूप में अजोला के प्रयोग पर प्रदर्शन हेतु कृषक का चयन	10	10
	वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने की विधि पर प्रदर्शन	0.0015	05
ख) **प्रक्षेत्र परीक्षण**	मूंगफली में खरपतवार प्रबंधन के लिए पोस्ट एमरजेंस दवा (इमैज़ाथायपर) का परीक्षण	0.50	05
	करेले में फल मक्खी के नियंत्रण हेतु एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन पर परीक्षण	0.40	04

प्रक्षेत्र परीक्षण

❖ प्रक्षेत्र परीक्षण के अंतर्गत भैस के दुग्ध उत्पादन में बृद्धि हेतु बाई पास प्रोटीन फीड का मुल्यांकन 05 किसानो के 05 महिष वंशीय पशुओ पर किया जा रहा है।

प्रक्षेत्र भ्रमण

❖ केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव एवं तकनीकी सहायक श्री जीतेन्द्र कुमार सिंह द्वारा दिनांक 15-05-2021 को ठाकुरापार गाँव में धर्मवीर सिंह के प्रक्षेत्र पर केले की फसल पर समस्या का निरीक्षण कर पोषक तत्त्व का छिडकाव करने का आवश्यक सुझाव दिया गया।

❖ केंद्र के प्रसार विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ विवेक प्रताप सिंह एवं सस्य विज्ञान विशेषज्ञ अवनीश कुमार सिंह द्वारा दिनांक25-05-2021 को मीरपुर गाँव में अरुण रावत के प्रक्षेत्र का भ्रमण कर आई.एफ.एस. मॉडल विकसित करने हेतु आवश्यक सुझाव दिया गया एवं OFT तथा FLD हेतु किसानों का चयन किया गया।

❖ केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा दिनांक 29-05-2021 को चौकमाफी गाँव में लाला यादव के यहाँ आम के फलों में फटने, गिरने एवं काले होने की समस्या का निरीक्षण कर 3ग्राम बोरेक्स प्रति ली. पानी में मिलाकर छिड़काव करने का सुझाव दिया गया।

❖ केन्द्र के पशुपालन विशेषज्ञ डॉ. विवेक प्रताप सिंह द्वारा अचियापार (सहजनवा) एवं मुस्तफाबाद, धुरियापार (पाली) एवं मीरपुर (जंगल कौड़िया) में कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण कर किसानो को पशुपालन विषय पर जानकारी दिया गया।

बीज वितरण

केंद्र के पशुपालन विशेषज्ञ डॉ विवेक प्रताप सिंह द्वारा दिनांक 06-05-2021 को केंद्र पर हरे चारे के लिये सोरघम (UPMC 505) का बीज 30 किसानों को वितरित किया गया।	
केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव एवं प्रयोगशाला तकनिकी सहायक श्री जीतेन्द्र कुमार सिंह द्वारा दिनांक 21-05-2021 को एस.सी.एस.पी योजना के अंतर्गत ब्लाक चरगावा के किसानो को धान की उन्नतशील प्रजाति डी.आर.आर. 50 का बीज केंद्र पर वितरित किया गया।	
केंद्र के प्रसार विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा दिनांक 22-05-2021 को एस.सी.एस.पी. योजनांतर्गत केंद्र से धान की प्रजाति- डी.आर.आर.-धान 50 के पांच किग्रा. बीज प्रति किसान की दर से गोद लिए ग्रामसभा आलमचक के कुल 32 किसानों को वितरित किया गया।	
केंद्र के पशुपालन विशेषज्ञ डॉ विवेक प्रताप सिंह द्वारा दिनांक 24-05-2021 को ग्राम- तिघरा, ब्लाक - जंगल कौड़िया में एस.सी.एस.पी. योजनांतर्गत धान की प्रजाति- डी.आर.आर.-धान 50 पांच किग्रा. बीज प्रति किसान की दर से कुल 30 किसानों को वितरित किया गया।	

केंद्र के सस्य विज्ञान विशेषज्ञ श्री. अवनीश कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह एवं पशुपालन विशेषज्ञ डॉ विवेक प्रताप सिंह द्वारा दिनांक 25-05-2021 को ग्राम- धुरिपार, ब्लाक – पाली में एस.सी.एस.पी. योजनांतर्गत धान की प्रजाति- डी.आर.आर.-धान 50, के पांच किग्रा. बीज प्रति किसान की दर से कुल 30 किसानों को वितरित किया गया।	
केंद्र के पशुपालन विशेषज्ञ डॉ विवेक प्रताप सिंह सस्य विज्ञान विशेषज्ञ श्री. अवनीश कुमार सिंह एवं प्रसार विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा दिनांक 25-05-2021 को ग्राम- अचियापर, ब्लाक - पाली में एस.सी.एस.पी. योजनांतर्गत धान की प्रजाति- डी.आर.आर.-धान 50, पांच किग्रा. बीज प्रति किसान की दर से कुल 30 किसानों को वितरित किया गया।	
केंद्र के मृदा विज्ञान विशेषज्ञ डॉ संदीप प्रकाश उपाध्याय द्वारा दिनांक 26-05-2021 को ग्राम- चिलबिलवा ब्लाक – पिपराइच एवं ग्राम - अतरौलिया ब्लाक - भटहट में एस.सी.एस.पी. योजनांतर्गत धान की प्रजाति- डी.आर.आर.-धान 50, पांच किग्रा. बीज प्रति किसान की दर से कुल 60 किसानों को वितरित किया गया।	
केंद्र के गृह विज्ञान विशेषज्ञ श्रीमती. श्वेता सिंह द्वारा दिनांक 27-05-2021 को एस.सी.एस.पी. योजनांतर्गत केंद्र से धान की प्रजाति- डी.आर.आर.-धान 50 के पांच किग्रा. बीज प्रति किसान की दर से गोद लिए ग्रामसभा रायगंज(खोराबार) एवं रामपुर रकबा(सरदार नगर) के कुल 50 किसानों को वितरित किया गया।	

कृषि विज्ञान केंद्र पोर्टल पर अपलोड की गयी गतिविधियाँ

क्रम संख्या	अपलोड की गयी गतिविधियों की संख्या
क)	564

फेसबुक लाइव कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश कृषि छात्र संघ के आमंत्रण पर केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा दिनांक24-05-2021 कोउनके फेसबुक पेज के माध्यम से "किसान उत्पादक कम्पनी: आवश्यकता एवं उद्देश्य" विषय पर विस्तार से चर्चा किया गया।	

Article

1. Infertility: causes and its prevention
2. Vaccination: An easiest and cheapest way to prevent common diseases of livestock
3. Enhancing Chickpea Productivity for Livelihood Security: A Success Story of Farmers
4. Black Rice Production for Nutritional Security: An Initiative by Progressive Farmer in District Gorakhpur of Uttar Pradesh
5. Highest yield harvested from Karan Vandana (DBW 187): A success story of women farmer of Gorakhpur district

जून माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसलोत्पादन एवं प्रबंधन

गर्मी की जुताई व मेड़बन्दी :-

❖ वर्षा से पूर्व खेत में अच्छी मेड़बन्दी कर दें, जिससे खेत की मिट्टी न बहे तथा खेत वर्षा का पानी सोख सके.

धान :-

❖ यदि मई के अंतिम सप्ताह में धान की नर्सरी नहीं डाली हो तो जून के प्रथम पखवाड़े तक पूरा कर लें. जबकि कालानमक धान की नर्सरी जून के तीसरे सप्ताह में डालनी चाहिए।

❖ धान की महीन किस्मों की प्रति हेक्टेयर बीज दर 30 किग्रा, मध्यम के लिए 35 किग्रा, मोटे धान हेतु 40 किग्रा तथा ऊसर भूमि के लिए 50 किग्रा पर्याप्त होता है।

❖ यदि नर्सरी में खैरा रोग दिखाई दे तो 10 वर्ग मीटर क्षेत्र में 20 ग्राम यूरिया, 5 ग्राम जिकं सल्फेट प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें.

मक्का :-

❖ मक्का की बुवाई 25 जून तक पूरी कर लें. यदि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो तो बुवाई 15 जून तक कर लेनी चाहिए.

अरहर :-

❖ सिंचित दशा में अरहर की बुवाई जून के प्रथम सप्ताह में, अन्यथा सिंचाई के अभाव में वर्षा शुरू होने पर ही करें .

❖ प्रभात व यू.पी.ए. एस .-120 शीघ्र पकने वाली तथा बहार, नरेन्द्र अरहर-1, नरेन्द्र अरहर-2, IPA 203 व मालवीय अरहर-15 देर से पकने वाली अच्छी प्रजाति है .

❖ प्रति हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 12-15 किग्रा बीज आवश्यक होगा .

❖ अरहर का राइजोबियम कल्चर से उपचारित बीज 60-75x15-20 सेंमी की दूरी पर बुवाई करें .

मृदा विज्ञान

❖ भूमि में पोषक तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परीक्षण करवा ले। भूमि का समतीलीकरण कर लें, जिससे सिचाई के समय पानी पूरे खेत में एक समान फैले।

❖ रबी की फसल की कटाई के बाद मिटटी पलटने वाले हल से गर्मी की जुताई करना लाभदायक होगा। गर्मी की जुताई से खरपतवार की संख्या में कमी होती है, साथ ही हानिकारक कीड़े भी नष्ट हो जाते हैं और भूमि की पानी सोखने व रोकने की क्षमता भी बढ़ जाती है।

मौनपालन

❖ उचित प्रक्षेत्र का चयन कर ,मौनवंशों का समय से माईग्रेशन करें

❖ मौनगृह के तलपट पर सम्बंधित उपकरणों को पोटैशियम परमैगनेट/ लाल दवा से एक बार धुलाई करें

❖ माइट के प्रकोप से बचने के लिए मौनगृह के तलपट की समय-समय पर सफाई करते रहें

❖ अत्यधिक पुराने एवं काले पड़ चुके छत्तों को नष्ट कर दें तथा उनकी प्रतिपूर्ति मोमी छात्ताधर लगाकर नए छत्तों का निर्माण कराकर कर लिया जाए ताकि मौनवंशों की गुणवत्ता प्रभावित न हो

- ❖ गतवर्ष की अधिक शहद उत्पादन करने वालेसशक्त मौनवंशों को मात्र मौनवंश की श्रेणी में रखते हुए इनसे मौनवंशों का संवर्धन सुनिश्चित किया जाए

पशुपालन

- ❖ खरीफ के चारे मक्का लोबिया के ली खेत की तैयारी करें।
- ❖ सूखे खेत को चरी न खिलाएं अन्यथा जहर फैलने का डर रहेगा।
- ❖ पशुओ के मुँह में छाले पड़ने पर सुहागा के चूर्ण को पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए या फिर पोटाश को ठंडे पानी में मिलाकर मुँह की सफाई करनी चाहिए। ग्लिसरीन और बोरिक ऐसिड का पेस्ट बनाकर जीभ के उपर छालों पर लगानी चाहिए। मुँह को खोल कर मुँह के अंदर तथा जीभ पर मक्खन लगाने से आराम महसूस होता है। उपर लिखे सारे उपचार को दिन में तीन से चार बार परिस्थिति के अनुरूप दोहराते रहना चाहिए।
- ❖ थन कटना: थन कटने पर सबसे पहले उसे साफ़ पानी से धोकर उसके उपर एंटीसेप्टिक क्रीम का उपयोग करना चाहिए। अगर क्रीम नहीं हो तो पोटाश के पानी से धोकर फिटकिरी पीस कर लगाना चाहिए। दूध दोहने के पहले थन को पानी से धोना चाहिए और दोहने के उपरान्त नारियल तेल या सरसों तेल लगाना चाहिए।
- ❖ अन्तः एवं बाह्य परजीवी का बचाव करने के लिए पशुओं को पानी में दवा मिलाकर नहलाएं और दवा पिलाएं।
- ❖ गलाघोंटू तथा लंगड़िया बुखार का टीका सभी पशुओं में लगवायें।
- ❖ पशुओं को हरा चारा पर्याप्त मात्रा में खिलायें।
- ❖ पशु को लू एवं गर्मी से बचाने के लिए छायादार स्थान पर रखे एवं स्वच्छ जल की व्यवस्था करें तथा सुबह शाम नहलायें।
- ❖ परजीवी से बचाव के लिए पशुओं का उपचार करायें।

सब्जी उत्पादन

- ❖ बैगन, मिर्च, अगेती फूलगोभी की पौध बोने का समय है।
- ❖ भिन्डी, लौकी, खीरा, नेनुआ, करेली व टिन्डा की बोआई के लिए उपयुक्त समय है।

फलोत्पादन

- ❖ नए बाग के रोपण हेतु प्रति गड्ढा 30-40 किलो ग्राम सड़ी गोबर की खाद, एक किलो ग्राम नीम की खली तथा आधी गड्ढा से निकली मिट्टी मिलकर भरे। गड्डे को जमींन से 15-20 सेमी. उचाई तक भरना चाहिए।
- ❖ फलों की भण्डारण छमता बढाने हेतु तुड़ाई पूर्व चौसा किस्म तथा अन्य देर से पकने वाली किस्मो के लिए 10 दिनों के अंतराल पर तीन छिडकाव डाईहाइड्रेटेड कैल्सियम क्लोराइड 221 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी का करना चाहिए।
- ❖ लीची के बागो की आवश्यकतानुसार फल तुड़ाई के पश्चात डालो की छटाई करे।
- ❖ यदि नीबू में फल फटने की समस्या हो तो पोटैशियम सल्फेट के 4 प्रतिशत घोल का छिडकाव करे।
- ❖ पपीते के बाग की साफ सफाई करे तथा फावड़े द्वारा गुड़ाई भी करे।

फूलो की खेती

- ❖ गर्मी वाले मौसमी फूलो जैसे पोर्चुलाका, जीनिया, सुन्फ्लोवर, कोचिया, नारंगी, गोमफ्रिना आदि के पौधों की आवशयकातानुसार सिचाई करें।
- ❖ गुलाब, रजनीगंधा, देशी गुलाब, बेला, लिली एवं गेंदा में समय – समय पर निराई व गुड़ाई एवं खेत में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करते रहें।

सहयोग			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
श्री आशीष कुमार सिंह	प्रक्षेत्र प्रबंधक	अनुवाशिकी एवं पादप प्रजनन	**07752941868**
श्री जितेन्द्र कुमार सिंह	कार्यक्रम सहायक (लैब टेक्निशियन)	पौध संरक्षण	**08887725608**
श्री शुभम पाण्डेय	सहायक	-	**08317019891**

सह-सम्पादक मंडल			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
डा0 विवेक प्रताप सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	पशुपालन	**07651922058**
डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव	विषय वस्तु विशेषज्ञ	उद्यान	**08787264166**
डा0 राहुल कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	कृषि प्रसार	**07007275688**
श्री अवनीश कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	सस्य विज्ञान	**09792099943**
श्री संदीप प्रकाश उपाध्याय	विषय वस्तु विशेषज्ञ	मृदा विज्ञान	**09621437547**
श्रीमती श्वेता सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	गृह विज्ञान	**09453158193**

संकलन एवं सहयोग			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
श्री गौरव कुमार सिंह	कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)	कम्प्यूटर	**07651922058**

सम्पादक
डा0 संदीप कुमार सिंह
(वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष)
महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र,चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर(उ०प्र०)
Mob no. 09453721026; Email – gorakhpurkvk2@gmail.com
website -http://www.mgkvk.in/